रक्त पतला करनेवाली दवाईयोंका सुरक्षित उपयोग

रक्त पतला करनेवाली दवाओं के संबंध मे मुझे जानकारी होनी चाहिए /

रक्त पतला करनेवाली दवाऐं यह रक्त मे होनेवाली गुटलियेां के कारण उद्भूत रोग पर ईलाज अथवा प्रतिबंधात्मक उपाय के रुप मे वापरी जाती है । फेफडों को जोडनेवाली रक्त धमनियों मे रक्त की गुटली होना, अथवा पैरों के तलवो मे रक्त की गुटलियाँ होने जैसे रोगों की परिस्थिती मे भी रक्त पतला करनेवाली दवाऐं उपयोग मे लायी जाती है । यह दवाऐं पैरों के तलवों मे होनेवाली गुटलियाँ (DVT) शस्त्रक्रिया पश्चात होनेवाली गुटलियाँ अथवा दिर्घकालीन बिस्तर पर रहने से उद्भूत रोंगों पर प्रतिबंधात्मक उपाय के रुप मे वापरी जाती है ।

उदा. हिपारीन, वारफारीन, रिव्हरोझ्वीन, डेबीगॅट्रान, ॲपीक्सॅबॅन, इंडोक्झॅबॅन इ.

रक्त पतला करनेवाली दवाऐं सुरक्षित रुप से कैसे ले?

- हमेशा ऐसी दवाऐं प्रिस्क्रिप्शन के अनुरुप ले समय पर ले जिससे शरीर मेरक्त की दवाओं की स्थिरता बनी रहेगी ।
- एक समय मे दवा की एक ही खुराक ले
- रोगी अगर दवा लेना भूल गए हो तो एक ही समय दो खुराक ना ले ।ऐसी दवाओं की मात्रा बढने से रक्त स्त्राव भी हो सकता है एवं रक्त का स्तर भी बदलते रहता है।
- दवा लेना बंद ना करे
- एस्प्रिन ना ले अथवा चिकित्सक द्वारा लिखे बिना ना ले। बिना प्रिस्क्रिप्शन के अनेक दवाओं मे एस्प्रिन पाया जाता है एस्प्रिन से रक्तस्त्राव होने की संभावना बढ जाती है।
- यह दवाऐं शुरु रहते हुए अन्य दवाऐं (प्रिस्क्रिप्शन के बिना मिलनेवाली या चिकित्सक द्वारा लिखित) एवं समकक्ष दवाऐं ले ।कुछ दवाओं अथवा समकक्ष दवाओं के लेने से अतिरिकत रक्तस्त्राव होने की अथवा ऐसी अन्य दवाओं का कार्य सुरक्षित ना होने की संभवना बनी रहती है।
- रक्त पतला करनेवाली दवाओं के धोखे
- अतिरिक्त प्रमाण मे ऐसी दवाऐं लेने से मृत्यु हो सकती है । (Life threatening) रोगी को अतिरिक्त रक्त स्त्राव होना अथवा मुत्र पिंड अथवा यकृत को हानी होने की संभावना बनी रहती है ।रोगी ने दवा की उपयुक्त मात्रा ली नही तो रक्त की गुटलियाँ तैय्यार हो सकती है ।रक्त मे गुटली होने से हृदयविकार का झटका शारिरिक पक्षाघात व अन्य समस्याऐं हो सकती है ।

सुरक्षात्मक उपाय क्या करे?

- स्वास्थ व्यावसायिक से उपचार के पुर्व रक्त पतला करनेवाली दवाओं की संपूर्ण जानकारी ले ।रोगी के पास नियमित दवा लेने की सुचीबध्दता होनी चाहिए ।रोगी द्वारा नियमित रक्तजाँच करानी जानी चाहिए ताकी चिकित्सक यह तय करे की दवा किस प्रमाण मे देनी चाहिए जाँच से मात्रा मे परिवर्तन हो सकता है।
- जिसके कारण जख्म, घाँव रक्तस्त्राव हो सकता है ऐसे कृत्य को टाले।
- वारफारीन यह दवा जारी रहते हुए भी अगर कुछ अन्नपदार्थोंमे जीवनसत्व 'के' रहा तो रक्त मे गुटलियाँ तैय्यार हो सकती है ।अतः वारफारीन जारी रहते हुए आहार मे परिवर्तन ना करे।
- प्रतिदिन भोजन मे जीवनसत्व 'के' प्राप्त होने पर वारफारीन अति उत्तम परिणाम देता है ।हरी सब्जियाँ पत्तेदारी सब्जियाँ , ब्रोकोली अंगूर अन्य पदार्थो मे जीवनसत्व 'के' पाया जाता है । वारफारीन जारी रहते कौनसा अन्नपदार्थ ले यह जानकारी लेना अत्यावश्यक है।

- रक्त पतला करनेवाली दवाऐ लेते समय मद्यपान ना करे शराब के कारण रक्तस्त्राव हो सकता है।

रोगी चिकित्सक /फार्मासिस्ट से कब मिले

- दवा लेना भूले हो अथवा अधिक ली हो
- रोगी को जी मचलता अथवा उल्टियाँ होना
- मंजन करने समय अथवा छिंकते समय रक्त आना
- शौचालय मे रक्त गिरना अथवा रंग परिवर्तन दिखाई देने पर
- गर्भधारणा होने पर

Reference: Micromedex‟s Care Notes System Online 2.0